



॥ रक्षाबंधन 2026 की तिथि और शुभ
मुहूर्त ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ रक्षाबंधन 2026 की तिथि और शुभ मुहूर्त ॥

क्षाबंधन 2026 में शुक्रवार, 28 अगस्त 2026 को मनाया जाएगा। इस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि रहेगी। पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त 2026 को सुबह 9:08 बजे शुरू होकर 28 अगस्त 2026 को सुबह 9:48 बजे समाप्त होगी।

राखी बांधने का शुभ मुहूर्त

रक्षाबंधन के दिन राखी बांधने का शुभ समय:

28 अगस्त 2026, सुबह 6:05 बजे से 9:48 बजे तक — राजस्थान के संदर्भ में समय स्थान के अनुसार कुछ मिनट बदल सकता है।

जयपुर/राजस्थान जैसे स्थानों के लिए: स्थानीय पंचांग के अनुसार मुहूर्त देखना अधिक उचित रहेगा, क्योंकि सूर्योदय और अन्य पंचांग गणनाओं के कारण समय में थोड़ा अंतर हो सकता है।

भद्रा का समय

2026 में रक्षाबंधन के दिन भद्रा सूर्योदय से पहले ही समाप्त हो जाती है, इसलिए राखी बांधने के लिए भद्रा काल से बचने की आवश्यकता नहीं रहती।



वेबसाइट के लिए संक्षिप्त सामग्री

रक्षाबंधन 2026: शुक्रवार, 28 अगस्त 2026

पूर्णिमा तिथि: 27 अगस्त सुबह 9:08 बजे से 28 अगस्त सुबह 9:48 बजे तक

राखी बांधने का शुभ मुहूर्त: 28 अगस्त, सुबह 6:05 बजे से 9:48 बजे तक

भद्रा: सूर्योदय से पहले समाप्त

पर्व: श्रावण पूर्णिमा / रक्षाबंधन

नोट: मुहूर्त स्थान के अनुसार बदल सकता है, इसलिए वेबसाइट पर इसे प्रकाशित करते समय शहर का नाम (जैसे जयपुर, दिल्ली, मुंबई) के अनुसार स्थानीय पंचांग समय देना बेहतर रहेगा।